

नसिार उपग्रह

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

नासा-इसरो सथितिकि एपरचर रडार (NISAR) उपग्रह, राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (NASA) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जसि वर्ष 2025 की शुरुआत में प्रक्षेपति कयिा जाना प्रस्तावति है ।

- इसमें दो उन्नत रडार प्रणालियाँ शामिल हैं- नासा का L-बैंड रडार और इसरो का S-बैंड रडार- जसिसे यह ऐसी दोनों रडार प्रणालियाँ ले जाने वाला पहला उपग्रह बन जाएगा ।

NISAR क्या है?

परचिय:

- इसका निर्माण वर्ष 2014 के साझेदारी समझौते के तहत अमेरिका और भारत के सहयोग से कयिा गया है और इसे भारत के आंध्र प्रदेश स्थति सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपति कयिा जाएगा ।
- इस उपग्रह को इसरो के भू-तुल्यकाली उपग्रह प्रमोचन रॉकेट मार्क II का उपयोग करके पृथ्वी की नमिन कक्षा में प्रक्षेपति कयिा जाएगा ।
- उद्देश्य: यह प्रत्येक 12 दिन में पूरे वशिव का मानचित्र तैयार करने के साथ पारस्थितिकी तंत्र, बरफ दरव्यमान, वनस्पति, समुद्र के जल स्तर में वृद्धि, भूजल तथा भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी और भूस्खलन जैसे प्राकृतिक खतरों के संबंध में सुसंगत डेटा उपलब्ध कराने पर केंद्रति है ।

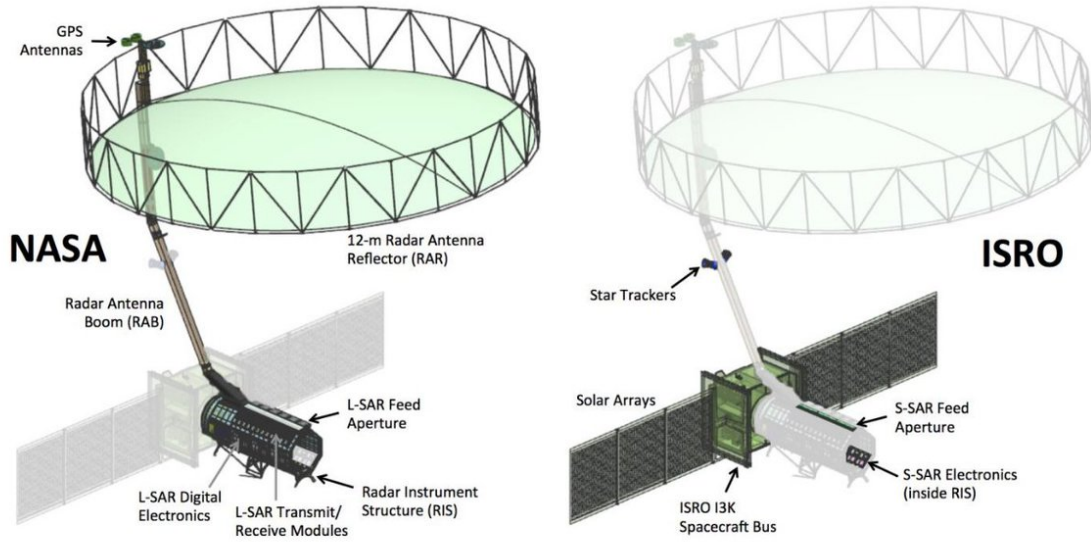
वशिषता	वविरण
थर्मल ब्लैकेटगि	सुनहरे रंग की थर्मल ब्लैकेटगि से संचालन के दौरान उपग्रह के तापमान को नियंत्रति कयिा जा सकेगा ।
प्रमुखभाग	रडार पेलोड: सतह अवलोकन हेतु मुख्य उपकरण । स्पेसक्राफ्ट बस: उपग्रह संचालन हेतु प्रणोदक, संचार, नेवगिशन और दशिा नियंत्रण प्रदान करने पर केंद्रति । एंटीना और रफिलेक्टर: 12 मीटर व्यास का ड्रमनुमा वायर-मेस रफिलेक्टर (अंतरिक्ष में सबसे बड़ा) रडार सगिनल फोकस एवं अवलोकन क्षमता प्रदान करेगा ।
प्रौद्योगिकी प्रगतति	दोहरी रडार प्रणाली: इसमें नासा के L-बैंड रडार और इसरो के S-बैंड रडार को शामिल कयिा गया है: एल-बैंड रडार: सघन वनस्पतियों में भूमि की हलचल का पता लगाने के साथ ज्वालामुखी और भूकंपीय क्षेत्रों के संदर्भ में अनुकूल है । S-बैंड रडार: सतही नगिरानी परशुद्धता में सुधार पर केंद्रति है; 8-15 सेमी तरंगदैर्ध्य और 2-4 गीगाहर्ट्ज आवृत्ति पर संचालति होता है ।

NISAR के अनुप्रयोग:

- व्यापक नगिरानी: NISAR पृथ्वी की सतहही गतविधियों (क्षैतजि और ऊर्ध्वाधर) को उच्च स्पष्टता के साथ कैच करने के साथ दिन और रात संचालति होने पर केंद्रति है ।
- आपदा न्यूनीकरण: आपदा प्रभाव न्यूनीकरण के लयि भूकंपीय गतविधियों, भूस्खलन, ज्वालामुखीय घटनाओं और बरफ की चादर में बदलाव पर नज़र रखने पर केंद्रति है ।
- पर्यावरण ट्रैकगि: धारणीय संसाधन प्रबंधन का समर्थन करने के क्रम में वनों, आर्द्रभूमि, कृषि भूमि और वनोन्मूलन पर नज़र रखने पर केंद्रति है ।
- अवसंरचना स्थरिता: अवसंरचना का आकलन, शहरीकरण की नगिरानी तथा बेहतर प्रबंधन हेतु तेल रसिाव का पता लगाने के अनुकूल है ।

- **डेटा-संचालित नरिणय-नरिमाण:** वविरतनकी हलचलों को समझने में सहायक होने के साथ संसाधनों के सूचति, धारणीय और मतिव्ययी उपयोग को बढ़ावा देने में सहायक है ।

//



NISAR observatory, with NASA and ISRO contributions highlighted

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

????????

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2016)

इसरो द्वारा प्रक्षेपति मंगलयान

1. को मंगल ऑरबटिर मशिन भी कहा जाता है ।
2. के कारण अमेरिका के बाद मंगल ग्रह की परकिरमा करने वाला भारत दूसरा देश बना ।
3. ने भारत को अपने अंतरिक्ष यान को अपने पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की परकिरमा करने में सफल होने वाला एकमात्र देश बना दिया ।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत के उपग्रह प्रक्षेपण यान के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. PSLVs पृथ्वी संसाधनों की नगिरानी के लयि उपयोगी उपग्रहों को लॉन्च करते हैं, जबकि GSLVs को मुख्य रूप से संचार उपग्रहों को लॉन्च करने के लयि डिज़ाइन कयि गया है ।
2. PSLVs द्वारा प्रक्षेपति उपग्रह पृथ्वी पर कसिी वशिष स्थान से देखने पर आकाश में उसी स्थिति में स्थायी रूप से स्थिर प्रतीत होते हैं ।
3. GSLV Mk-III एक चार चरणों वाला प्रक्षेपण यान है जसिमें पहले और तीसरे चरण में ठोस रॉकेट मोटर्स का उपयोग तथा दूसरे व चौथे चरण में तरल रॉकेट इंजन का उपयोग कयि जाता है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 2
D. केवल 3

उत्तर: (A)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/nisar-satellite>

